B A(Hon's)(First Semester)Examination, 2015-16
ECONOMICS
(Indian Economics-I)
MODEL ANSWER

Section 'A'

प्रश्न 1

(i) हस्तशिल्प एवं लघु कुटीर उद्योग नष्ट हो गये, जिससे कृषि पर भार बढ़ गया। लगान को मुद्रा में वसूले जाने से कृषि फसलों के स्थान पर व्यावसायिक फसलों को महत्व दिया जाने लगा, इन सब से बार–बार अकाल का सामना करना पड़ा।

(ii) भारतीय ग्राम आत्मनिर्भर थे एवं ग्रामीण उद्योगों का स्वरूप गांव तक ही सीमित था।

(iii) आधारिक संरचना का अभाव। बड़े पैमाने पर पायी जाने वाली मौसमी एवं छिपी हुई बेरोजगारी।

(iv) जनसंख्या नीति से अर्थ उस सरकारी मान्यता से है जिसके अनुसार जनसंख्या के आकार और संरचना को अपनाया जाता है। इसके द्वारा सरकार देश की जनसंख्या के आकार तथा संगठन में किसी सरकारी नियम या निर्देश द्वारा जानबूझ कर परिवर्तन लाने का प्रयत्न करती है।

(v) कृषि उत्पादन से अर्थ एक निश्चित क्षेत्र में कुल उत्पादन से है जबकि कृषि उत्पादकता से अर्थ प्रति हेक्टेयर अथवा प्रति श्रमिक उत्पादन से है।

(vi) ग्रामीण साख से अर्थ उस साख से है जिसकी आवश्यकता ग्रामीण क्षेत्रों में होती है अधिकतर यह आवश्यकता कृषि कार्य हेतु होती है।

(vii) उद्योगों का चार भाग में विभाजन/कुटीर एवं लघु उद्योगों के विकास पर बल, श्रमिकों के हितों की सुरक्षा।

(viii) फेरा अधिनियम का उद्देश्य विदेशी–विनिमय को सुरक्षित रखना और उसका उचित प्रयोग करना था। लेकिन फेरा का उद्देश्य विदेशी–व्याापार, धन की अदायगी प्रथा तथा भारत में विदेशी विनिमय बाजार को सुविधाजनक बनाना तथा उसको व्यवस्थित विकास करना है। फेरा अधिनियम में 81 धारायें थी लेकि फेरा अधिनियम में केवल 49 धाराएँह ै।

(ix) सापेक्ष गरीबी।

(x) छिपी हुई बेरोजगारी प्रत्यक्ष रूप से दिखाई नहीं देती। भारत में इस प्रकार की बेरोजगारी कृषि में पाई जाती है, जिसमें आवश्यकता से अधिक व्यक्ति लगे हुए होते हैं इस प्रकार की बेरोजगारी में श्रमिकों की सिमान्त उत्पादकता शून्य या ऋणात्मक भी हो सकती है।

Section 'B'

प्रश्न 2
प्रस्तावना
पूर्व ब्रिटिश काल में गांव की संरचना एवं संगठन।
पूर्व ब्रिटिश काल में शहरों की संरचना एवं संगठन
(कृषि ,हस्तशिल्प, उद्योग, न्याया व्यवस्था, शासन, शिक्षा एवं चिकित्सा व्यवस्था)
उपसंहार

प्रश्न 3
प्रस्तावना
असमानता से अर्थ
क्षेत्रीय विषमता
सम्पत्ति की असमानता
भारत में विभिन्न प्रकार की असामानताओं की स्थिति कारण एवं असामानताओं को दूर करने हेतु सुझाव
उपसंहार

प्रश्न 4
कृषि का स्वभाव एवं महत्व
भारतीय कृषि की मुख्य विशेषताएँ –भारतीय कृषि का अर्थ व्यवस्था में योगदान (राष्ट्रीय आय का मुख्य श्रोत, उद्योगों का आधार, खाद्यानों की पूर्ति, विदेशी व्यापार में महत्व, कृषि में सर्वाधिक रोजगार, राजस्व में योगदान, परिवहन साधनों का मुख्य आधार, पशुओं को चारा, अर्न्तराष्ट्रीय महत्व)
उपसंहार

प्रश्न 5
औद्योगिक नीति का अर्थ एवं महत्व
1991 की औद्योगिक नीति के मुख्य तथ्य
औद्योगिक नीति का मूल्यांकन

प्रश्न 6 भारत की पहली जनगणना 1872 में जनसंख्या का आकार
स्वतंत्रता के समय भारत की जनसंख्या
1951 से अभी तक की जनगणनाओं में जनसंख्या का आकार एवं वृद्धि दर
आलोचनात्मक मूल्यांकन
उपसंहार

प्रश्न 7
लघु उद्योगों से अर्थ
लघु उद्योगों की भूमिका एवं महत्व
लघु उद्योगों का विकास
लघु उद्योगों की समस्याएँ

लघु उद्योगों में सुधार के उपाय
लघु उद्योगों के लिए नीति
लघु उद्योगों के विकास के लिए सरकारी प्रयत्न
आलोचनात्मक मूल्यांकन
उपसंहार

प्रश्न 8
उपनिवेशवाद का अर्थ एवं विशेषताएँ –
ब्रिटिश साम्राज्य के द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था का औपनिवेशिक शोषण
कृषि की स्थिति
उद्योगों पर प्रभाव
राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय व्यापार पर प्रभाव
गरीबी एवं बेरोजगारी का आकार एवं स्वरूप
उपसंहार